

हम से के राष्ट्रीय मीडिया पैनलिस्ट
शिरिर कौडिल्ड्य कांग्रेस में हुए शामिल



पटना, प्रातः : किरण संवाददाता

चेयरमन राजेश राठौड़ ने बताया कि

शिरिर कौडिल्ड्य एक अच्छे वक्ता

और लोखक हैं, और लम्बे काल तक

ये पत्रकारिता से जुड़े रहे। उन्होंने

राजधानी दिल्ली में कई टीवी चैनलों

में शामिल हो गए।

इस अवसर पर ग्रामीण विकास का

कार्यालय सदाकत आश्रम में प्रदेश

कुमार, विधान परिषद में सतारूढ़ दल का

मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह

डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने उन्हें

पार्टी की सदस्यता दिलायी। इस दौरान

शिरिर कौडिल्ड्य ने पार्टी नेतृत्व पर

अपना भरोसा जाने वाले एक विदेशी

कांग्रेस अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद

डॉ राजेश राठौड़ ने अपनी गारी हम(से.)

से शुरू की थी। वक्तारित जगत में

अच्छी पहचान और अनुभव होने

के बावजूद उन्हें एक विदेशी की

जिम्मेदारी पार्टी थी। इनको कांग्रेस पार्टी

में लाने के पीछे कांग्रेस दर्पण के

सिंह के नेतृत्व और सानियन में उन्हें

प्रतिक्रिया दी गई। इस अवसर पर कांग्रेस

काम करने का प्रदेश के प्रदेश ने कहा

कि पार्टी में शिरिर जैसे पढ़े लिखे

लोगों को शामिल होना चाहिए। ताकि

कलम की ताकत के बदलात कांग्रेस

पार्टी के विचार जन जन तक पहुंच

सिंह कुमार, चार्द लाल, प्रवीण

सिंह कुशवाहा, चार्द प्रकाश राज्य, डॉ.

सुनील कुमार, सिंह, अजय सिंह,

मधुरेण सिंह, धर्मवीर शुक्ला, सत्येंद्र

कुमार, मटन सिंह, सहित सैकड़ों की

संखा में नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग के

बिहार संघर्ष राठौड़ ने बताया कि

शिरिर कौडिल्ड्य एक अच्छे वक्ता

और लोखक हैं, और लम्बे काल तक

ये पत्रकारिता से जुड़े रहे। उन्होंने

राजधानी दिल्ली में कई टीवी चैनलों

में शामिल हो गए।

इस अवसर पर ग्रामीण विकास

कार्यालय सदाकत आश्रम में प्रदेश

कुमार, प्रदेश महासचिव चंदन कुमार

सिंह, सचिव वासुदेव कुशवाहा

कांग्रेस अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद

डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने उन्हें

पार्टी की सदस्यता दिलायी। इस दौरान

शिरिर कौडिल्ड्य ने पार्टी नेतृत्व पर

अपना भरोसा जाने वाले एक विदेशी

कांग्रेस पार्टी के विचार जाना

कि प्रदेश अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद

से जुड़े हो गए। इस अवसर पर कांग्रेस

पार्टी के विचार जानने वाले एक विदेशी

कांग्रेस पार्टी के विचार जानने वाले

एवं अखिलेश प्रसाद के विचार जानने वाले

एवं अखिलेश प्रस

संपादकीय



विचार मंथन

हादसों का दायरा...

अमूमन हर क्षेत्र में बढ़ती जागरूकता, संसाधनों और सुविधाओं के विस्तार के दौर में उम्मीद यहीं बंधती है कि रोजमरा की गतिविधियों में चूक और लापरवाही में कमी आएगी और हादसों में जानमाल के तुक्सान से बचा जा सकेगा। विडब्बना यह है कि सुविधाओं के साथ कई लोग इसके उपयोग को लेकर सावधानी और सजगता का ख्याल नहीं रख पाते, जिसकी वजह से लोगों की नालूक ही जान चली जाती है। महाराष्ट्र के नासिक में शुक्रवार की सुबह एक तेज रफ्तार बस और ट्रक की टक्कर में कम से कम दस लोगों की जान चली गई और बीस से ज्यादा दिन होने वाली सड़क दुर्घटनाओं की ही

अगली कड़ी है, लेकिन ऐसी हर घटना यहीं बताती है कि किसी मामूली-सी चूक या लापरवाही की वजह से वाहनों में स्वार वैसे लोगों की जान चली जाती है, जो अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए घर से निकले होते हैं। नासिक में हुए हादसे में खबरों के मुताबिक बस की रफ्तार काफ़ी तेज थी। यानी केवल रफ्तार को काबू में रख कर बस का चालक सभी यात्रियों को सुरक्षित अपने घर या उनकी जरूरत की जगह पर पहुंचा सकता था। एक रिवायत की तरह अब सरकार की ओर से दुर्घटना के कारणों की जाच करने और पीड़ितों या हताहों को राहत पहुंचाने के मकसद से मुआवजा देने चेष्टा की गई है। लेकिन सच यह है कि ऐसे हर मौके पर

औपचारिक घोषणाओं में तात्कालिक मदद से आगे इस तरह की समस्या का काइ दीर्घकालिक समाधान नहीं निकलता। महाराष्ट्र में नासिक-औरंगाबाद राजमार्ग पर हुए ताजा हादसे के बाद यह जरूर कहा गया है कि अधिकारी शहर और जिले में दुर्घटना संभवित क्षेत्रों की पहचान के लिए काम कर रहे हैं। यह एक विचित्र औपचारिकता है कि सरकार या संभवित महक्कों की नीद तभी खुलती है जब काफ़ी बड़ी घटना हो जाती है और वह आम जनता के बीच चर्चा का मुद्दा बन जाती है। बरना क्या वजह है कि उन्नत अधिकारिकों के विकास के दौर में राजमार्ग जैसी जगहों पर सड़क बनाते हुए इस पर गौर करना जरूरी नहीं समझा जाता है कि किन-

किन खास स्थानों पर और कैसी वजहों से हादसे हो सकते हैं। अगर वक्त पर ऐसी जगहें और वजहें चिह्नित कर ली जाएं, तो शायद बहुत सारे हादसे रोके जा सकते हैं और लोगों की जिंदगी बचाई जा सकती है। अफसोस की बात यह है कि हमारे यहाँ किसी विपदा की आशंका और उसके पूर्वी आकलन को बहुत जरूरी नहीं समझा जाता है। यह बेवजह नहीं है कि आम लोग किसी हादसे का शिकार होने से पहले तक उससे बचाव के उपायों पर ध्यान नहीं देते हैं। जबकि आधुनिक तकनीकी और संसाधनों का एक पहलू यह भी है कि ये जिस दृढ़ तक अधिकारिक तरह नहीं हैं, मामूली लापरवाही की वजह से लोग अगली बार ऐसा होने से रोकने को सिद्धि में उसी अनुपात में जोखिम के बाहक लेकिन कोई ठोस उपाय नहीं निकल पारहा।

गरीबी के बरक्स बदलाव की राहें

सोनम लववर्णी

केंद्र सरकार अब से अल्पोदय के लिए संकलित होकर नित नए कदम उठाकर गरीबों के जीवन में बदलाव की संवाहक बन रही है। दरअसल, इस धारणा के बनने के अपने कारण हैं। कोविड महामारी के दौरान केंद्र सरकार ने जो कदम उठाए, उनका वैश्विक स्तर पर प्रशंसना की गई। अब केंद्र सरकार ने एक बार फिर प्रधानमंत्री गोबिल कल्याण अब योजना की अवधि एक वर्ष के लिए बढ़ा दी है। देश में मौजूदा परिदृश्य को देखते हुए यह एक स्वागतयोग्य कदम है, लेकिन इसके संदर्भ में कई सवाल भी उत्पन्न रहे हैं, जिनका हाल ढूँढ़ने की दिशा में सरकारी त्रै को प्रयास की जानी होगी।

और अन्य जरूरतों को भी दरकिनार करके नहीं देखा जा सकता है। वर्तमान समय में देश का सरकारी तंत्र आजादी के अमृतकाल में आगे बढ़ रहा है। लेकिन जब देश की आम जनता सरकार की ओर से मिल रहे कुछ अनाज में ही अपने अक्षर देखने लगती है, सरकार के लिहाज से उसी अन्तर से किसी व्यक्ति का जीवन-परिवार की गांजाओं में विकास के सुनारे ध्यान गढ़े जाने लगते हैं, तब ऐसे में दृष्टिकोण की एक पक्की याद आती है कि 'भूख है तो सब कर सब रोटी नहीं तो क्या हुआ, आजकल दिल्ली में है जेर-ए-बहस ये मुझाम'। इन पक्कियों में गरीबों के जिस दर्द को शब्दों में एक वक्त परियाय यथा, उस गरीब को दूर करने के लिए अन्यायी के दौर से कई सरकारी अनाज के सत्ता में आई और चली गई, लेकिन दुर्भाग्य से आज भी व्यक्ति केवल सरकार से अनाज की आस लगाकर ही बैठा है। इक्कीसवां सदी में जब देश अर्थव्यवस्था के मामले में विश्व का नेतृत्व करने की दिशा में बढ़ने की सोच रहा है, तो गरीबों के जिस देश में इन्हाँनी करोड़ लोग सरकार की ओर से मुहूर्त तक उत्तराधिकारी के द्वारा देखते हुए एक अन्य जारी हो गया है। ऐसे में पहला सवाल यही कि क्या चुनाव जीतने का आधार अब योजना बन रही है या फिर वास्तविक रूप से अंत्योदय की राह पर हमारा देश बढ़ रहा है? यों जिस देश में इन्हाँनी करोड़ लोग सरकार की ओर से मुहूर्त तक उत्तराधिकारी के द्वारा देखते हुए एक अन्य जारी हो गया है। इन पक्कियों में गरीबों के जिस दर्द को शब्दों में एक वक्त परियाय यथा, उस गरीब को दूर करने के लिए अन्यायी के दौर से कई सरकारी अनाज के सहारे जब देश की आम जनता के लिहाज से उसी अनाज-परिवार की आस लगाकर ही बैठा है। इक्कीसवां सदी में जब देश अर्थव्यवस्था के मामले में विश्व का नेतृत्व करने की दिशा में बढ़ने की सोच रहा है, तो गरीबों के जिस दर्द को शब्दों में एक वक्त परियाय यथा, उस गरीब को दूर करने के लिए अन्यायी के दौर से कई सरकारी अनाज के सहारे जब देश की आम जनता के लिहाज से उसी अनाज-परिवार की आस लगाकर ही बैठा है। इक्कीसवां सदी में जब देश अर्थव्यवस्था के मामले में विश्व का नेतृत्व करने की दिशा में बढ़ने की सोच रहा है, तो गरीबों के जिस दर्द को शब्दों में एक वक्त परियाय यथा, उस गरीब को दूर करने के लिए अन्यायी के दौर से कई सरकारी अनाज के सहारे जब देश की आम जनता के लिहाज से उसी अनाज-परिवार की आस लगाकर ही बैठा है। इक्कीसवां सदी में जब देश अर्थव्यवस्था के मामले में विश्व का नेतृत्व करने की दिशा में बढ़ने की सोच रहा है, तो गरीबों के जिस दर्द को शब्दों में एक वक्त परियाय यथा, उस गरीब को दूर करने के लिए अन्यायी के दौर से कई सरकारी अनाज के सहारे जब देश की आम जनता के लिहाज से उसी अनाज-परिवार की आस लगाकर ही बैठा है। इक्कीसवां सदी में जब देश अर्थव्यवस्था के मामले में विश्व का नेतृत्व करने की दिशा में बढ़ने की सोच रहा है, तो गरीबों के जिस दर्द को शब्दों में एक वक्त परियाय यथा, उस गरीब को दूर करने के लिए अन्यायी के दौर से कई सरकारी अनाज के सहारे जब देश की आम जनता के लिहाज से उसी अनाज-परिवार की आस लगाकर ही बैठा है। इक्कीसवां सदी में जब देश अर्थव्यवस्था के मामले में विश्व का नेतृत्व करने की दिशा में बढ़ने की सोच रहा है, तो गरीबों के जिस दर्द को शब्दों में एक वक्त परियाय यथा, उस गरीब को दूर करने के लिए अन्यायी के दौर से कई सरकारी अनाज के सहारे जब देश की आम जनता के लिहाज से उसी अनाज-परिवार की आस लगाकर ही बैठा है। इक्कीसवां सदी में जब देश अर्थव्यवस्था के मामले में विश्व का नेतृत्व करने की दिशा में बढ़ने की सोच रहा है, तो गरीबों के जिस दर्द को शब्दों में एक वक्त परियाय यथा, उस गरीब को दूर करने के लिए अन्यायी के दौर से कई सरकारी अनाज के सहारे जब देश की आम जनता के लिहाज से उसी अनाज-परिवार की आस लगाकर ही बैठा है। इक्कीसवां सदी में जब देश अर्थव्यवस्था के मामले में विश्व का नेतृत्व करने की दिशा में बढ़ने की सोच रहा है, तो गरीबों के जिस दर्द को शब्दों में एक वक्त परियाय यथा, उस गरीब को दूर करने के लिए अन्यायी के दौर से कई सरकारी अनाज के सहारे जब देश की आम जनता के लिहाज से उसी अनाज-परिवार की आस लगाकर ही बैठा है। इक्कीसवां सदी में जब देश अर्थव्यवस्था के मामले में विश्व का नेतृत्व करने की दिशा में बढ़ने की सोच रहा है, तो गरीबों के जिस दर्द को शब्दों में एक वक्त परियाय यथा, उस गरीब को दूर करने के लिए अन्यायी के दौर से कई सरकारी अनाज के सहारे जब देश की आम जनता के लिहाज से उसी अनाज-परिवार की आस लगाकर ही बैठा है। इक्कीसवां सदी में जब देश अर्थव्यवस्था के मामले में विश्व का नेतृत्व करने की दिशा में बढ़ने की सोच रहा है, तो गरीबों के जिस दर्द को शब्दों में एक वक्त परियाय यथा, उस गरीब को दूर करने के लिए अन्यायी के दौर से कई सरकारी अनाज के सहारे जब देश की आम जनता के लिहाज से उसी अनाज-परिवार की आस लगाकर ही बैठा है। इक्कीसवां सदी में जब देश अर्थव्यवस्था के मामले में विश्व का नेतृत्व करने की दिशा में बढ़ने की सोच रहा है, तो गरीबों के जिस दर्द को शब्दों में एक वक्त परियाय यथा, उस गरीब को दूर करने के लिए अन्यायी के दौर से कई सरकारी अनाज के सहारे जब देश की आम जनता के लिहाज से उसी अनाज-परिवार की आस लगाकर ही बैठा है। इक्कीसवां सदी में जब देश अर्थव्यवस्था के मामले में विश्व का नेतृत्व करने की दिशा में बढ़ने की सोच रहा है, तो गरीबों के जिस दर्द को शब्दों में एक वक्त परियाय यथा, उस गरीब को दूर करने के लिए अन्यायी के दौर से कई सरकारी अनाज के सहारे जब देश की आम जनता के लिहाज से उसी अनाज-परिवार की आस लगाकर ही बैठा है। इक्कीसवां सदी में जब देश अर्थव्यवस्था के मामले में विश्व का नेतृत्व करने की दिशा में बढ़ने की सोच रहा है, तो गरीबों के जिस दर्द को शब्दों में एक वक्त परियाय यथा, उस गरीब को दूर करने के लिए अन्यायी के दौर से कई सरकारी अनाज के सहारे जब देश की आम जनता के लिहाज से उसी अनाज-परिवार की आस लगाकर ही बैठा है। इक्कीसवां सदी में जब देश अर्थव्यवस्था के म



विजय देवरकोंडा ने शेयर किया अपनी अगली तेलुगु फिल्म का पोस्टर, पुलिस यूनिफार्म में आए नज़र

विजय देवरकोंडा ने बीते शुक्रवार को अपनी अगली फिल्म 'वीडी 12' की 3नाइट्समेंट एक पोस्टर के साथ की जिसमें फर्स्ट लुक का खुलासा किया गया है। विजय और गौतम तित्रनुरी अभिनेता की अगली तेलुगु फिल्म के लिए हाथ मिला रहे हैं। एकटर ने पोस्टर में एक पुलिस वाले के रूप में पोज़ दिया और कहा कि जब उन्होंने स्क्रिप्ट सुनी और अपनी अगली फिल्म की टीम के बारे में पता चला, तो उनका दिल कुछ धड़कनों से धड़क उठा। इस फिल्म को राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता द्वारा निर्देशित किया जा रहा है। विजय को आखिरी बार अनन्या पाड़े के साथ 'लाइगर' (2022) में देखा गया था। विजय की अपकमिंग फिल्म के पोस्टर, डब वीडी 12, में एक पुलिस वाले का सिल्हूट दिखाया गया है, जिसका चेहरा कपड़े से ढका हुआ था। इसे शेरूप करते हुए, विजय देवरकोंडा ने ट्रैट किया, द स्क्रिप्ट। द टॉम। माई नेवरस्ट। जब मैंने यह सुना तो मेरा दिल कुछ धड़कनों से रुक गया। यह चिढ़ाते हुए कि फिल्म एक जासूसी थिलर हो सकती है, पोस्टर पर लिखा था, मुझे नहीं पता कि कहा हूं, अपको बता दूँ कि मैंने किसके साथ विश्वासघात किया – बेनामी जासूस। पोस्टर में पानी की बीच जलते हुए जहाज की तरफी भी दिखाई गई है। विजय जल्द ही सामन्था रुथ प्रभु के साथ अपकमिंग तेलुगु फिल्म 'कुशी' में दिखाई देंगे।



फर्जी फिल्म में ठग बने हैं शाहिद कपूर

प्राइम वीडियो ने अपनी अपकमिंग फिल्म फर्जी का ट्रेलर लॉन्च कर दिया है। यह एक क्राइम ड्रामा है, जिसमें बॉलीवुड एकटर शाहिद कपूर और मक्कल सेलवन, विजय सेतुपति अपना हड़अंडे डेव्यू करते हुए नजर आने वाले हैं। इस सीरीज में शाहिद एक नए अवतार में नजर आएंगे। इस सीरीज में शाहिद को एक ठग के रूप में दिखाया गया है, वहीं विजय एक एनफॉर्सर्स में ठग के रूप में ड्रैकरने की कोशिश करते नजर आते हैं। इस सीरीज में के के मेन, राशि अरोड़ा, अमोल पालेकर, रेजिना कैसेंट्रा और भुवन अरोड़ा भी हैं। ये क्राइम थिलर सीरीज 10 फरवरी को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होंगी। ट्रेलर की शुरुआत में शाहिद पर नोट बरसाते हुए नजर आते हैं और बैकग्राउंड में शाहिद की आवाज आती है कि मुझे इतने पैसे कमाने हैं कि उसकी इज्जत ही ना करनी पड़े। इसके बाद ट्रेलर में एक झलक मिलती है कि कैसे शाहिद और उनकी टीम नकली नोट बनाते हैं और रात-अमीर हो जाते हैं। 1.2 मिनट 42 सेकंड का ओवरऑल ट्रेलर देखकर कहा जा सकता है कि ये वेब सीरीज धमाल मचाने वाली की गई है।

शेरशाह में साथ नजर आए थे
सिद्धार्थ और कियारा ने 2021 में आई फिल्म शेरशाह में साथ काम किया है। सिद्धार्थ के वर्कफॉर्ट की बात करें तो, एकटर रोहित शेष्टी की सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स में नजर आएंगे। ये सीरीज अमेजन प्राइम पर रिलीज होंगी। वहीं कियारा जल्द ही सर्टप्रेम की कथा में दिखाई देंगी। इस फिल्म में उनके साथ कार्तिक आर्यन भी हैं।

कियारा का नंबर स्पीड डायल पर रखते हैं सिद्धार्थ

सिद्धार्थ ने आगे बात करते हुए स्वीकार किया कि वो कियारा आडाणी की जासूसी करने को लेकर सवाल पूछा गया। जिसके जवाब देते हुए सिद्धार्थ ने कहा, हाँ मैं बिल्कुल कियारा की जासूसी करना चाहता हूं। मैं ये जानना चाहूँगा कि वो एक मरीने में कितनी बार वर्कआउट करते हैं। इसका नाम मिशन क्रॉस फिट, मिशन नॉट फिट या फिर मिशन इंज शी फिट होगा।

कियारा का नंबर स्पीड डायल पर रखते हैं सिद्धार्थ

सिद्धार्थ ने आगे बात करते हुए स्वीकार किया कि वो कियारा आडाणी का नंबर अपने फोन में स्पीड डायल पर रखते हैं। सिद्धार्थ का कठन है कि अपने को-स्टार्स का नंबर स्पीड डायल पर रखने से आसानी होती है। हालांकि, सिद्धार्थ ने

टीवी का विवादित शो बिंग बॉस 16 हर बीते दिन के साथ और भी दिलचस्प होता जा रहा है। शो में पंटी के बांसे से लगातार विवादों में रहने वाले साजिद खान को लेकर एक बड़ी खबर आयी है। खबर है कि जल्द ही साजिद खान का बिंग बॉस के घर से पता करने वाला है। साजिद इस हपेश शो से बाहर हो सकते हैं। लेटेस्ट एपडेट के मताविक, साजिद खान का शो से कॉन्ट्रैक्ट खत्म हो गया है और इसी वजह से अब वह बिंग बॉस 16 के घर से बाहर हो जाएंगे।

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो साजिद खान का कॉन्ट्रैक्ट केवल 15 जनवरी तक ही था। जॉन अड्राहम और शहनाज गिल स्टारर फिल्म की शूटिंग जल्द शुरू होने वाली है, जिसकी वजह से उन्हें शो छोड़कर जाना पड़ रहा है। बता दें कि साजिद खान ने जब से बिंग बॉस के घर से बाहर करने की तरफी बढ़ी है। मीटू मूवमेंट के तहत कई एक्टर्स ने उन पर संगीन आरोप लगाए थे।

बिंग बॉस 16 के घर से कटेगा साजिद का पता

टीवी का विवादित शो बिंग बॉस 16 हर बीते दिन के साथ और भी दिलचस्प होता जा रहा है। शो में पंटी के बांसे से लगातार विवादों में रहने वाले साजिद खान को लेकर एक बड़ी खबर आयी है। खबर है कि जल्द ही साजिद खान का बिंग बॉस के घर से पता करने वाला है। साजिद इस हपेश शो से बाहर हो सकते हैं। लेटेस्ट एपडेट के मताविक, साजिद खान का शो से कॉन्ट्रैक्ट खत्म हो गया है और इसी वजह से अब वह बिंग बॉस 16 के घर से बाहर हो जाएंगे।

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो साजिद खान का कॉन्ट्रैक्ट केवल 15 जनवरी तक ही था। जॉन अड्राहम और शहनाज गिल स्टारर फिल्म की शूटिंग जल्द शुरू होने वाली है, जिसकी वजह से उन्हें शो छोड़कर जाना पड़ रहा है। बता दें कि साजिद खान ने जब से बिंग बॉस के घर से बाहर करने की तरफी बढ़ी है। मीटू मूवमेंट के तहत कई एक्टर्स ने उन पर संगीन आरोप लगाए थे।

शेरशाह में साथ नजर आई थी
विजय और कियारा के अलावा कुछ और को-स्टार्स का नंबर भी स्पीड डायल लिस्ट में है।

कियारा-सिद्धार्थ की शादी
मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 2023 में सिद्धार्थ और कियारा साथ फेरे ले सकते हैं। दोनों ने अपनी शादी के लिए शाही पैलेस बुक किया है। इसना ही नहीं कपल की शादी में टाइट सिक्योरिटीटी के इंतजाम भी किए गए हैं, प्री-टेंडिंग से लेकर शादी तक सभी कॉर्फ्स और ब्रेसेट्स के अंदर रखे जाएंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक राजस्थान के आलीशान जैसलमेर पैलेस होटल में कपल की शादी के फॉर्मान होंगे। हालांकि, अभी तक दोनों की शादी को लेकर कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की गई है।

शेरशाह में साथ नजर आए थे

सिद्धार्थ और कियारा ने 2021 में आई फिल्म शेरशाह में साथ काम किया है। सिद्धार्थ के वर्कफॉर्ट की बात करें तो, एकटर रोहित शेष्टी की सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स में नजर आएंगे। ये सीरीज अमेजन प्राइम पर रिलीज होंगी। वहीं कियारा जल्द ही सर्टप्रेम की कथा में दिखाई देंगी। इस फिल्म में उनके साथ कार्तिक आर्यन भी हैं।

कियारा का नंबर स्पीड डायल पर रखते हैं सिद्धार्थ

सिद्धार्थ ने आगे बात करते हुए स्वीकार किया कि वो कियारा आडाणी का नंबर अपने फोन में स्पीड डायल पर रखते हैं। सिद्धार्थ का कठन है कि अपने को-स्टार्स का नंबर स्पीड डायल पर रखने से आसानी होती है। हालांकि, सिद्धार्थ ने

टीवी का विवादित शो बिंग बॉस 16 हर बीते दिन के साथ और भी दिलचस्प होता जा रहा है। शो में पंटी के बांसे से लगातार विवादों में रहने वाले साजिद खान को लेकर एक बड़ी खबर आयी है। खबर है कि जल्द ही साजिद खान का बिंग बॉस के घर से पता करने वाला है। साजिद इस हपेश शो से बाहर हो सकते हैं। लेटेस्ट एपडेट के मताविक, साजिद खान का शो से कॉन्ट्रैक्ट खत्म हो गया है और इसी वजह से अब वह बिंग बॉस 16 के घर से बाहर हो जाएंगे।

मीटू मूवमेंट के तहत कई एक्टर्स ने उन पर संगीन आरोप लगाए थे।

बिंग बॉस 16 के घर से कटेगा साजिद का पता

टीवी का विवादित शो बिंग बॉस 16 हर बीते दिन के साथ और भी दिलचस्प होता जा रहा है। शो में पंटी के बांसे से लगातार विवादों में रहने वाले साजिद खान को लेकर एक बड़ी खबर आयी है। खबर है कि जल्द ही साजिद खान का बिंग बॉस के घर से पता करने वाला है। साजिद इस हपेश शो से बाहर हो सकते हैं। लेटेस्ट एपडेट के मताविक, साजिद खान का शो से कॉन्ट्रैक्ट खत्म हो गया है और इसी वजह से अब वह बिंग बॉस 16 के घर से बाहर हो जाएंगे।

मीटू मूवमेंट के तहत कई एक्टर्स ने उन पर संगीन आरोप लगाए थे।

बिंग बॉस 16 के घर से कटेगा साजिद का पता

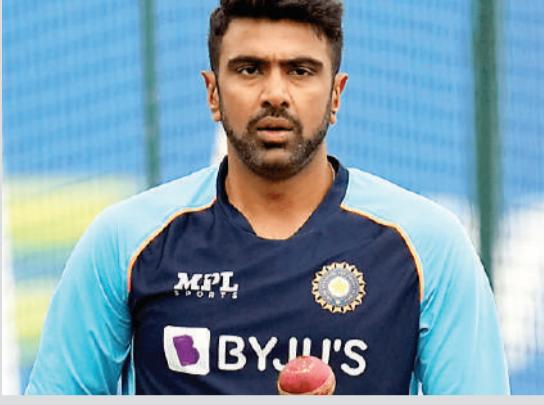
टीवी का विवादित शो बिंग बॉस 16 हर बीते दिन के साथ और भी दिलचस्प होता जा रहा है। शो में पंटी के बांसे से लगातार विवादों में रहने वाले साजिद खान को ल

रोहित के फैसले से अश्विन नाखुश, कहा - अगर मांकिंग की अपील हुई है तो फैसला अंपायर को लेना चाहिए

गुवाहाटी (एजेंसी)। भारत और श्रीलंका के बीच मंगलवार को गुवाहाटी में पहला वनडे खेला गया था। इस बैच में कपासन रोहित शर्मा के श्रीलंका के बाद आउट होने के बाद वापस बता लिया था। इस पर भारतीय टीम के लोग सिनर और अश्विन ने टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि मांकिंग सही है और अगर अपील हुई है तो फैसला अंपायर को लेना चाहिए न कि कपासन को। साथ ही बॉलर को अपील की छूट भी मिलनी चाहिए।

मांकिंग मर्ही - अश्विन ने कहा कि, बेशक, शनका का जब 98 रन पर थे, तब शमी ने उन्हें नॉन-स्ट्राकर एंड में उन्हें रन आउट किया और उन्होंने अपील भी की। रोहित ने वह अंपायर वापस ले ली। लेकिन मैं एक ही बात मिर दोहराऊंगा कि मांकिंग से रन आउट जायज है। उन्हें आउट दिया जाना चाहिए।

अगर एक खिलाड़ी भी अपील करता है तो अंपायर को फैसला लेना चाहिए- अश्विन ने आगे कहा कि, अगर एक लेवर भी एल्बीडब्ल्यू या कैच-बैक की अपील करता है तो कपासन ने कोई नहीं पूछता। मैदान पर



फैल्डर की अपील पर ही अंपायर फैसला सुनते हैं। अगर एक फैल्डर भी अपील करता है तो अंपायर को यह इसी है कि वे अपना फैसला सुनाए। अगर बैटर आउट हो तो उसे आउट दें। लेकिन, श्रीलंका के खिलाफ ऐसा नहीं हुआ।

मांकिंग बॉलर का फैसला अपील ने बताया कि, वह आश्विन के बाद आउट किया जाता है तो उसे बॉलर आउट करता है। अगर मांकिंग से कोई लेवर आउट किया जाता है तो उसे बॉलर आउट करता है। यह बॉलर का फैसला है की उन्हें लेवर को आउट करना है।

बल्लेबाज भी खुद से फैसले लेते हैं- अश्विन ने बल्लेबाज की ओर से बताया कि, जब वे आउट होते हैं तब कहाँ बार लेवर अंपायर का निर्णय सुने बिना ही क्रीज से चल देते हैं। बह टीम का कपासन इसमें हस्तक्षण नहीं करता। वह बल्लेबाज से नहीं पूछता कि आप किसकी अनुमति से आए। आप वापस जाइए और खेलना जारी रखिए। इसी तरह बॉलर को भी फैसला लेने की अनुमति होनी चाहिए और कपासन को उनके फैसले का सम्मान करना चाहिए।

वया है मांकिंग

नन स्ट्राइकर छोर खाली बल्लेबाज जल्दी रन चुनावे के चक्र में क्रीज से बाहर आकर खड़ा हो जाता है। वहीं बॉलर गेंद फेंकने से पूर्व बल्लेबाज के बाद होने पर सभी आउट कर देते हैं। इसे पूर्व भारतीय किकेटर वीन मांकिंग के नाम पर मांकिंग कहा जाता है। दरअसल साल 1947-48 में भारत की किकेट टीम का मुकाबला आस्ट्रेलिया की टीम से हुआ था, जिसमें वीन मांकिंग द्वारा तीसरी से आस्ट्रेलिया के विकेट-कीपर बैटर बिल ब्राउन का आउट किया गया। इससे पूर्व उन्होंने बैटर को स्लेक चेतावनी भी दी थी। बाद में आस्ट्रेलिया की मौडिया ने इस घटना को बढ़ा-चढ़ाकर घेता किया और इसे 'मांकिंग' नाम दिया।

आईसीसी ने भी दी मांकिंग को रन आउट की मान्यता।

इंटरनेशनल क्रिकेट कार्डिनल ने भी नियमों में बदलाव करते हुए मांकिंग रन आउट को मान्यता दे दी है।

मलेशिया ओपन 2023

भारत के सातिक साईराज रंकीरेड़ी और चिराग शेट्री सेमीफाइनल में बाहर हुए

कआलाम्पुर (एजेंसी)। भारत की टीम रैकिंग वाली जड़ी सातिक साईराज रंकीरेड़ी और चिराग शेट्री को 14 जनवरी यारी शनिवार को हार का समाना करना पड़ा। सुपर 1000 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में तीन सेट तक चले मुकाबले में चीन की लियांग कंग और चांग चांग ने इस जड़ी को हराया।

सातिक और चिराग ने वापसी की। उन्होंने दूसरे गेंद में 21-11 से जीत दर्ज की। हालांकि, वे तीसरे गेंद में लाल को बरकरार नहीं रख पाए और 15-21 से हार गए। मैच को अंतिम गेंद में दोनों जेडिंग्स के बीच टकर का मुकाबला हुआ, लेकिन चीनी जड़ी ने शुरू से ही बढ़ावा लाई थी, जिसे भारतीय पटटन नहीं पाए।

इडिया ओपन में दिखाई देंगे सातिक -चिराग- सातिक और चिराग की जड़ी अब अपांग इडिया ओपन में दिखाई देंगी। टूर्नामेंट 17 जनवरी को हार का लिया गया।

2022 में चिराग और सातिक ने रन राशि इतिहास- भारत के स्ट्रेट शटर लालकांक सातिक रंकीरेड़ी और चिराग शेट्री ने 2022 में वीससे इतिहास रचा था। इस जड़ी ने भारत को 114 साल पुराने फैंच-ओपन बैडमिंटन में गोल्ड मेडल दिलाया था। यह मेडल में डबल्स केटरीरों में आया था। 1983 में पांच गण्युली और बिक्रम सिंह में वह खिलाव जीता था। इसके बाद इन दोनों ने 39 साल बाद यह कानूना किया था।



बनाए 166 श्रीलंका के सामने भारत का 390 रन का विशाल स्कोर

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। शनदार फॉर्म में चल रहे विराट कोहली ने श्रीलंका के खिलाफ सार्वानंद रंकीरेड़ी और चिराग-सातिक-रंकीरेड़ी के बीच टीम के 17वें नंबर रन की गेंद के बीच लेवर में चीन की लियांग कंग और चांग चांग ने इस जड़ी को हराया।

भारतीय टीम के प्रपुत्र बल्लेबाज विराट कोहली ने बल्लेबाज विराट के पहले गेंद पर खुद से फैसले लेते हैं- अश्विन ने बल्लेबाज की ओर से बताया कि, जब वे आउट होते हैं तब कहाँ बार लेवर अंपायर का निर्णय सुने बिना ही क्रीज से चल देते हैं। बह टीम का कपासन इसमें हस्तक्षण नहीं करता। वह बल्लेबाज से नहीं पूछता कि आप किसकी अनुमति से आए। आप वापस जाइए और खेलना जारी रखिए। इसी तरह बॉलर को भी फैसला लेने की अनुमति होनी चाहिए और कपासन को उनके फैसले का सम्मान करना चाहिए।

श्रीलंका के रिप्लाफ 10वां शतक

विराट कोहली का रिप्लाफ सार्वानंद रंकीरेड़ी के खिलाफ की ओर से बताया गया है। कोहली ने 110 गेंदों की पारी में 13 चौके और 8 छक्के जमाए। यह विराट के करियर का 46वां शतक है। विराट के पहले गेंद पर अपना शतक लगाया। इन दोनों के अलावा चैयस अवर (38 रन) और कपासन रोहित शर्मा (42 रन) ने भी अच्छी पारियां खेली। भारत में 50 ओवर में 5 बल्लेबाजों का स्कोर बनाया है।

भारतीय टीम के प्रपुत्र बल्लेबाज विराट कोहली ने बल्लेबाज विराट के पहले गेंद पर खुद से फैसले लेते हैं। श्रीलंका के खिलाफ वर्ष-सीरीज के बीचरे मुकाबले में विराट ने 85 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया। यह चार बल्लेबाजों में उनका तीसरा शतक है। इससे पहले उन्होंने बल्लेबाज विराट के खिलाफ अपनी एक गेंद पर खुद लगाया था। श्रीलंका के खिलाफ विराट इस सीरीज के पहले मुकाबले में भी उनका बल्लेबाज लगाया था। श्रीलंका के खिलाफ इस बल्लेबाज के पहले मैच में भी उनका बल्लेबाज लगाया था।

भागकर बनाए आधे से ज्यादा दर्जन

विराट कोहली ने शतकीय में अधे से ज्यादा रन भागकर बनाए। 10 चौके और 1 छक्के की मदद से उन्होंने अपना शतक के बाद क्रीज पर उत्तर विराट ने शुरूआत से श्रीलंका के गेंदबाजों को दबाव में डाल दिया। 48 गेंदों पर उन्होंने अपनी फिफ्टी पूरी की। अगले 50 रन बनाने में उन्होंने 37 गेंदों का सामना किया।

मार्गदर्शक बनाए आधे से ज्यादा दर्जन

विराट कोहली ने शतकीय में अधे से ज्यादा रन भागकर बनाए। 10 चौके और 1 छक्के की मदद से उन्होंने अपना शतक के बाद क्रीज पर उत्तर ही शुरूआत से श्रीलंका के गेंदबाजों को दबाव में डाल दिया। यह चार बल्लेबाजों के खिलाफ इस सीरीज के पहले मैच में भी उनका बल्लेबाज लगाया था। श्रीलंका के खिलाफ विराट के पहले मैच में भी उनका बल्लेबाज लगाया था।

विराट कोहली ने शतकीय में अधे से ज्यादा रन भागकर बनाए। 10 चौके और 1 छक्के की मदद से उन्होंने अपना शतक के बाद क्रीज पर उत्तर ही शुरूआत से श्रीलंका के गेंदबाजों को दबाव में डाल दिया। यह चार बल्लेबाजों के खिलाफ इस सीरीज के पहले मैच में भी उनका बल्लेबाज लगाया था। श्रीलंका के खिलाफ विराट के पहले मैच में भी उनका बल्लेबाज लगाया था।

विराट कोहली ने शतकीय में अधे से ज्यादा रन भागकर बनाए। 10 चौके और 1 छक्के की मदद से उन्होंने अपना शतक के बाद क्रीज पर उत्तर ही शुरूआत से श्रीलंका के गेंदबाजों को दबाव में डाल दिया। यह चार बल्लेबाजों के खिलाफ इस सीरीज के पहले मैच में भी उनका बल्लेबाज लगाया था। श्रीलंका के खिलाफ विराट के पहले मैच में भी उनका बल्लेबाज लगाया था।

विराट कोहली ने शतकीय में अधे से ज्यादा रन भागकर बनाए। 10 चौके और 1 छक्के की मदद से उन्होंने अपना शतक के बाद क्रीज पर उत्तर ही शुरूआत से श्रीलंका के गेंदबाजों को दबाव में डाल दिया। यह चार बल्लेबाजों के खिलाफ इस सीरीज के पहले मैच में भी उनका बल्लेबाज लगाया था। श्रीलंका के खिलाफ विराट के पहले मैच में भी उनका बल्लेबाज लगाया था।

विराट कोहली ने शतकीय में अधे से ज्यादा रन भागकर बनाए। 10 चौक

